

M.A. IN TRANSLATION STUDIES (MATS)

Term-End Examination

December, 2011

**MTT-014 F2F : TRANSLATION AND INDIAN
LANGUAGES**

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

Note : 1 - Attempt All questions.

2 - All questions carry equal marks .

1. Giving an account of Indo-European Language Family locate the branch under - which Indo - Aryan languages fall. Also list four features of Indo - Aryan Language - Family.

OR

Discuss the origin and background of the word 'Dravidian'. Also mention the number of categories in which the Dravidian language family may be divided ? Give a detailed account of four major Dravidian Languages.

2. What were the major causes for the emergence of Modern Indian Languages ? Discuss.

OR

Discuss the cultural and literary similarities among Modern Indian Languages. Discuss.

3. 'Translation has played a vital role in Nation - Building perspectives in colonial India'. Explain .

OR

What are the major contributing factors to the rise and fall of languages ? Explain

4. "Indian classical literature has widely been translated into Modern India Languages." Substantiate with examples.

OR

Discuss the Indian traditional methods of translation and Modern Global System of Translation with examples.

5. What do you mean by Classical Literature ? Critically examine the major sanskrit classics and their translations in the medieval period.

OR

Substantiate the view that Ramayana is a classic. Discuss some of the major translations of Ramayana.

अनुवाद अध्ययन में एम.ए. (एम.ए.टी.एस.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2011

एम.टी.टी. - 014 F2F : अनुवाद और भारतीय भाषाएँ

समय : 3 घंटे

अधिकतम अंक : 100

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. भारोपीय भाषा परिवार पर विचार करते हुए यह बताइए कि भारतीय-आर्य भाषा परिवार इसकी किस शाखा के अंतर्गत आता है। भारतीय-आर्य भाषा परिवार की किन्हीं चार भाषाओं की विशेषताएं भी लिखिए।

अथवा

‘द्रविड़’ शब्द का स्रोत और उसकी पृष्ठभूमि बताते हुए यह बताइए कि द्रविड़ भाषा परिवार को मूलतः कितने वर्गों में विभाजित किया जा सकता है। चार प्रमुख द्रविड़ भाषाओं की विस्तार से विवेचना भी कीजिए।

2. आधुनिक भारतीय भाषाओं के उदय के पीछे कौन-से सामाजिक-धार्मिक कारण थे? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

आधुनिक भारतीय भाषाओं में सांस्कृतिक एवं साहित्यिक समानताओं पर विचार कीजिए।

3. औपनिवेशिक भारत में राष्ट्र निर्माण की दृष्टि से अनुवाद ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। व्याख्या कीजिए।

अथवा

भाषाओं के विकास एवं पतन के पीछे कौन-कौन से महत्वपूर्ण कारक होते हैं? स्पष्ट कीजिए।

4. आधुनिक भारतीय भाषाओं में भारतीय कालजयी साहित्य का विपुल मात्रा में अनुवाद हुआ है। सोदाहरण सिद्ध कीजिए।

अथवा

अनुवाद की भारतीय पारंपरिक पद्धति एवं आधुनिक वैश्विक पद्धति का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

5. कालजयी साहित्य से आप क्या समझते हैं? संस्कृत की प्रमुख कालजयी रचनाओं और मध्यकाल में हुए उनके अनुवादों की समीक्षा कीजिए।

अथवा

सिद्ध कीजिए कि 'रामायण' एक कालजयी रचना है। रामायण के कुछ प्रमुख अनुवादों पर प्रकाश डालिए।
